नदियों का है कहना

सभी नदियों का है यह कहना
कोरोना से तुम बच कर रहना ।
कहती है गंगा कहती है जमुना
कोरोना काल में घर में रहना ।
कहती है कृष्णा कहती है कावेरी
मास्क पहनने में करना ना देरी ।
कहती है ब्रह्मपुत्र कहती है झेलम
कोरोना के डर से खोए ना संयम ।
कहती है महानदी कहती है नर्मदा
हाथों को साबुन से तुम धोना सदा ।
कहती है सरयू कहती है चंबल
दो गज दूरी को बनाओ तुम संबल ।
कहती है घाघरा कहती है भागीरथी
कोरोना से लड़ो बनकर महारथी ।
कहती है सरस्वती कहती है गंडक
कोरोना से लड़ो रख के दिल में ठंडक ।
सभी नदियों का हम सब माने कहना
कोरोना से हमने संभलकर है रहना ।